Raj Express (Indore), 16th March 2023, Page – 09

मणिपुर को आईआईटी इंदौर बताएगा मध्यप्रदेश की विरासत, रीति-रिवाज

35 प्रतिनिधियों की मेजबानी करेगा

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर,युवा संगम के तहत, 20 से 26 मार्च तक मणिपुर के 35 प्रतिनिधियों की मेजबानी करेगा। इनमें 5 अधिकारियों के साथ 13 महिला और 17 पुरुष प्रतिनिधि शामिल हैं। प्रतिनिधियों की उम्र 18 से 29 के बीच है और वे विविध पृष्ठभूमि से हैं। इन प्रतिनिधियों के पूरे दौरे की योजना बनाई गई है और पर्यटन, परम्परा, प्रगति, प्रौद्योगिकी और परस्पर संपर्क के बहुआयामी प्रदर्शन के लिए यात्रा तैयार की गई है। प्रतिनिधि, आईआईएम इंदौर, एमसीटीई महू, इंदौर के अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, केंद्रीय संग्रहालय, राजवाड़ा और पीथमपुर के कुछ उद्योगों का दौरा करेंगे। वे महाकालेश्वर कॉरिडोर और डोंगला वैधशाला देखने के लिए उज्जैन भी जाएंगे। वे भोपाल में मैनिट, क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र और एमपी जनजातीय संग्रहालय का दौरा करेंगे। ओंकारेश्वर की उनकी यात्रा में ओंकारेश्वर कॉरिडोर और हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट शामिल होंगे।

ग्रामीण करेंगे मेजबानी: इस यात्रा का सबसे रोमांचक हिस्सा, सिमरोल गांव के स्थानीय लोगों के साथ उनकी बातचीत है। ग्रामीण उनकी मेजबानी करेंगे और उन्हें आधुनिक के साथ-साथ पारंपरिक खेती के तरीके भी दिखाएंगे। भगोरिया नृत्य व रात्रि भोज का आयोजन ग्रामीणों द्वारा किया जाएगा। पूरी यात्रा की योजना इन युवाओं के मन में मध्य प्रदेश राज्य की समृद्ध विरासत, रीति-रिवाज और परंपरा के प्रति एक स्थायी प्रभाव पैदा करने के लिए बनाई गई है।

आईआईटी इंदौर को जोड़ा मणिपुर के साथ

युवा संगम, भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य लोगों को लोगों से जोड़ने और पूर्वोत्तर राज्यों के युवाओं और शेष भारत के बीच संबंध पैदा करने के उद्देश्य से है। यह कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत के दायरे में आयोजित किया जा रहा है और पूर्वोत्तर (एनई) से 11 उच्च शिक्षा संस्थानों और देश के बाकी हिस्सों से 14 को पारस्परिक यात्राओं के लिए जोड़ा गया है। आईआईटी इंदौर को मध्य प्रदेश राज्य के लिए नोडल संस्थान के रूप में नामित किया गया है और इसे मणिपुर के साथ जोड़ा गया है।